मैं खड़ा द्वारे पे

(जरा देदो माँ चरणों में सहारा,
मैं भी आया हूँ,
सुना है दर पे तेरे इस जहाँ की हर ख़ुशी मिलती,
जगा दो सोई किस्मत का तारा,
मैं भी आया हूँ।)

तू जो दया ज़रा सी करदे,
सर पे हाथ मेरे माँ धर दे,
तू जो दया ज़रा सी करदे,
सर पे हाथ मेरे माँ धर दे,
हो जाये दुखड़े दूर,
कट जाये हर एक विपदा मेरी,
मैं खड़ा द्वारे पे,
पल पल करू मैं विनती तेरी,
माँ मैं खड़ा द्वारे पे,
पल पल करू मैं विनती तेरी।

तेरी किरपा हो जाये,
बिगड़े काम बने सब मैया,
मैं रब को ना मानु,
मेरे लिए रब तू ही मैया,
तेरी ज्योत जगे दिन रात,
दुनिया माने शक्ति तेरी,
माँ मैं खड़ा द्वारे पे,
पल पल करू मैं विनती तेरी।।

कहते है तेरे दिल में,
नदिया ममता की है बहती,
करे प्यार दुलार बड़ा,
तू भक्तो के अंग संग रहती,
तेरी दया का अंत नहीं,
करदे दूर मुसीबत मेरी,
माँ मैं खड़ा द्वारे पे,
पल पल करू मैं विनती तेरी।।

मूरख अज्ञानी हूँ,
मुझको ज्ञान नहीं है कोई,
तेरी महिमा क्या जानूं,
पूजा ध्यान नहीं है कोई,
गर खोल दे अंखिया तू,
फिर तो खुल जाए किस्मत मेरी,
माँ मैं खड़ा द्वारे पे,

पल पल करू मैं विनती तेरी।।

जग जननी ऐ माता,
ज्योतो वाली शेरो वाली,
तू चाहे तो भर दे पल में,
भक्त की खाली झोली,
कहे फिर तू भवरों में,
मैया फसी है नैया मेरी,
माँ मैं खड़ा द्वारे पे,
पल पल करू मैं विनती तेरी।।

तू जो दया ज़रा सी करदे,
सर पे हाथ मेरे माँ धर दे,
हो जाये दुखड़े दूर,
कट जाये हर एक विपदा मेरी,
माँ मैं खड़ा द्वारे पे,
पल पल करू मैं विनती तेरी.....

स्वर : लखबीर सिंह लक्खा

https://bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/24149/title/main-khda-daware-pe

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |